2020

HINDI — HONOURS

Paper : CC-6

(Bharatiya Kavya Shastra)

Full Marks : 65

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×10

(क) रस निष्पति के दो व्याख्याकार आचार्यों के नाम बताइए।

(ख) 'रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्' किसकी उक्ति है? यह किस ग्रंथ से दी गई है?

(ग) 'ध्वन्यालोक' के रचनाकार कौन हैं? उन्होंने किस सम्प्रदाय का प्रवर्तन किया?

(घ) भामह ने किस साहित्य सम्प्रदाय का प्रवर्तन किया? उनके रीतिग्रंथ का नाम बताइए।

(ङ) दो रसवादी आचार्यों के नाम बताइए।

(च) मम्मट द्वारा बताए गए किन्हीं दो काव्य प्रयोजनों के नाम बताइए।

(छ) दो शब्दालंकारों के नाम बताइए।

(ज) वक्रोक्ति सिद्धांत के प्रतिष्ठापक आचार्य कौन थे? उनके एक ग्रंथ का नाम बताइए।

(झ) 'काव्य-प्रकाश' और 'साहित्य-दर्पण' के रचनाकारों के नाम बताइए।

(ञ) दण्डी किस काव्य-संप्रदाय से सम्बन्धित हैं? उनके द्वारा रचित किसी एक ग्रंथ का नाम बताइए।

2. किन्हीं ***तीन*** पर टिप्पणी लिखिए : 5×3

(क) काव्य प्रयोजन के संबंध में संस्कृत आचार्यों के मत।

(ख) विभाव।

(ग) यमक और श्लेष अलंकार में अंतर।

(घ) रीति के प्रमुख भेद।

(ङ) ध्वनि की अवधारणा।

3. किन्हीं ***तीन*** आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×3

(क) काव्य हेतु से क्या तात्पर्य है? इससे सम्बन्धित संस्कृत के आचार्यों के मतों की समीक्षा कीजिए।

(ख) साधारणीकरण की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

(ग) अलंकार सिद्धांत का परिचय दीजिए। अलंकार और अलंकार्य का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(घ) रीति सिद्धांत की विवेचना कीजिए।

(ङ) वक्रोक्ति की अवधारणा स्पष्ट करते हुए इसके भेदों का परिचय दीजिए।